

سُورَةُ الْفَاتِحَةِ

Surah 1 — Al-Faatiha (The Opening) · Meccan · 7 Ayahs · Translation: Hindi

1

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

अल्लाह के नाम से जो रहमान व रहीम है।

2

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ

तारीफ़ अल्लाह ही के लिये है जो तमाम क़ायनात का रब है।

3

الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

रहमान और रहीम है।

4

مَلِكِ يَوْمِ الدِّينِ

रोज़े जज़ा का मालिक है।

5

إِيَّاكَ نَعْبُدُ وَإِيَّاكَ نَسْتَعِينُ

हम तेरी ही इबादत करते हैं, और तुझ ही से मदद मांगते हैं।

6

اهْدِنَا الصِّرَاطَ الْمُسْتَقِيمَ

हमें सीधा रास्ता दिखा।

7

صِرَاطَ الَّذِينَ أَنْعَمْتَ عَلَيْهِمْ غَيْرِ الْمَغْضُوبِ عَلَيْهِمْ وَلَا الضَّالِّينَ

उन लोगों का रास्ता जिन पर तूने इनाम फ़रमाया, जो माअतूब नहीं हुए, जो भटके हुए नहीं हैं।

